सांवरे को दिल में बसाकर तो देखो

सांवरे को दिल में बसाकर तो देखो,

दुनिया से मन को हटा करके देखो।

बड़ा ही दयालु है बांके बिहारी,

इक बार वृन्दावन आकर तो देखो ।।

बांके बिहारी भक्तो के दिलदार,

सदा लुटाते है कृपा के भंडार।

मीरा ने जैसे गिरधर को पाया,

प्याला जहर का अमृत बनाया,

तुम अपनी हस्ती मिटा कर तो देखो,

इक बार वृन्दावन आ कर तो देखो।।

बांके बिहारी भक्तो के दिलदार,

सदा लुटाते है कृपा के भंडार।

श्याम बिना मेरा कोई ना अपना,

ये दुनिया है इक झूठा सपना,

नज़रों से पर्दा हटा कर तो देखो,

इक बार वृन्दावन आ कर तो देखो।।

बांके बिहारी भक्तो के दिलदार,

सदा तुटाते हे कृपा के भंडार।

तेरी पल में झोली वो भर देगा,

दुःख दर्द जिंदगी के वो हर लेगा,

चौखट पे दामन फैला कर तो देखो,

इक बार वृन्दावन आ कर तो देखो।।

बांके बिहारी भक्तो के दिलदार,

सदा लुटाते हे कृपा के भंडार।

चित्र–विचित्र का तो बस यही कहना,

गुरु चरणो से कभी दूर नहीं रहना,

जिंदगी ये बंदगी में मिटा कर तो देखो,

इक बार वृन्दावन आ कर तो देखो।।

बांके बिहारी भक्तो के दिलदार,

सदा तुटाते हे कृपा के भंडार।

सांवरे को दिल में बसाकर तो देखो,

दुनिया से मन को हटा करके देखो।

बड़ा ही दयालु हे बांके बिहारी,

इक बार वृन्दावन आकर तो देखो।।